ISSN: 2395-7639

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering, Technology & Management (IJMRSETM)

|A Monthly, Peer Reviewed Online Journal| Impact Factor: 7.580 |

Visit: www.ijmrsetm.com

Volume 3, Issue 7, July 2016

सोशल मीडिया और सांस्कृतिक रुझान: वैश्विक कनेक्टिविटी और स्थानीय अनुकूलन में अंतर्दृष्टि

सुश्री पी सुनीता, हिंदी की एसोसिएट प्रोफेसर,

कस्तूरबा गांधी डिग्री एवं पीजी कॉलेज।

मेरेडपल्ली, सिकंदराबाद।

Social Media and Cultural Trends: Insights into Global Connectivity and Local Adaptations

Ms. P Sunita , Associate Professor of Hindi,
Kasturba Gandhi Degree and PG College.
Marredpally, Secunderabad.

अमूर्त:

यह पेपर वैश्विक कनेक्टिविटी और स्थानीय अनुकूलन के बीच गतिशील संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, सोशल मीडिया के उपयोग और सांस्कृतिक रुझानों के बीच जटिल परस्पर क्रिया की जांच करता है। एक व्यापक साहित्य समीक्षा और अनुभवजन्य विश्लेषण के आधार पर, हम यह पता लगाते हैं कि कैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वैश्विक सांस्कृतिक आदान-प्रदान और स्थानीय सांस्कृतिक अभिव्यक्ति की साइटों दोनों के लिए माध्यम के रूप में काम करते हैं। हमारा अध्ययन विभिन्न सांस्कृतिक संदर्भों में उपयोगकर्ताओं के साथ साक्षात्कार से गुणात्मक अंतर्दृष्टि के साथ सोशल मीडिया डेटा के मात्रात्मक विश्लेषण को मिलाकर एक मिश्रित-तरीके दृष्टिकोण को नियोजित करता है।

हमारे निष्कर्ष सांस्कृतिक गतिशीलता पर सोशल मीडिया के प्रभाव की बहुमुखी प्रकृति को उजागर करते हैं। जबकि सोशल मीडिया वैश्विक कनेक्टिविटी के अभूतपूर्व स्तर की सुविधा प्रदान करता है, सीमाओं के पार सांस्कृतिक रुझानों और विचारों के तेजी से प्रसार की अनुमति देता है, यह स्थानीय पहचान की बातचीत और निर्माण के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करता है। हम सोशल मीडिया और सांस्कृतिक रुझानों के अंतर्संबंध को आकार देने वाले कई प्रमुख कारकों की पहचान करते हैं, जिनमें प्लेटफ़ॉर्म सामर्थ्य, उपयोगकर्ता प्रथाएं और सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ शामिल हैं।

इसके अलावा, हमारा शोध उपयोगकर्ताओं के ऑनलाइन अनुभवों और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को आकार देने में उनकी एजेंसी को पहचानने के महत्व को रेखांकित करता है। हम विनियोग, प्रतिरोध और संकरण के पैटर्न की पहचान करते हैं जो तब घटित होता है जब व्यक्ति सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर वैश्विक और स्थानीय सांस्कृतिक प्रभावों के बीच नेविगेट करते हैं। ये अंतर्दृष्टि समकालीन सांस्कृतिक वैश्वीकरण में निहित जटिलताओं की सूक्ष्म समझ में योगदान करती हैं और डिजिटल मीडिया, पहचान निर्माण और सांस्कृतिक विविधता पर चर्चा को सूचित करती हैं।

निष्कर्ष में, हमारा अध्ययन सांस्कृतिक रुझानों को आकार देने में सोशल मीडिया की भूमिका में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जो ऑनलाइन संचार के वैश्विक और स्थानीय दोनों आयामों को स्वीकार करने वाले दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर देता है। उन तंत्रों को खोलकर, जिनके माध्यम से सोशल मीडिया सांस्कृतिक संबंधों में मध्यस्थता करता है, हम वैश्वीकरण, सांस्कृतिक विविधता और डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर चल रही बहस में योगदान करते हैं।

ISSN: 2395-7639

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering, Technology & Management (IJMRSETM)

|A Monthly, Peer Reviewed Online Journal| Impact Factor: 7.580 |

Visit: www.ijmrsetm.com

Volume 3, Issue 7, July 2016

परिचय:

तेजी से वैश्वीकरण और डिजिटल अंतर्संबंध की विशेषता वाले युग में, सांस्कृतिक रुझानों को आकार देने में सोशल मीडिया की भूमिका तेजी से प्रमुख हो गई है। दुनिया भर में अरबों उपयोगकर्ता ऑनलाइन संचार और सामग्री साझा करने में लगे हुए हैं, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म सांस्कृतिक आदान-प्रदान के शक्तिशाली एजेंटों के रूप में कार्य करते हैं, जो भौगोलिक सीमाओं के पार विचारों, मूल्यों और प्रथाओं के प्रसार की सुविधा प्रदान करते हैं। हालाँकि, इस वैश्विक कनेक्टिविटी के साथ-साथ, सोशल मीडिया स्थानीय सांस्कृतिक पहचानों की बातचीत और अभिव्यक्ति के लिए एक स्थान के रूप में भी कार्य करता है, जो अनुकूलन, संकरण और प्रतिरोध की जटिल गतिशीलता को जन्म देता है।

सोशल मीडिया और सांस्कृतिक रुझानों का प्रतिच्छेदन विद्वानों की जांच के लिए एक समृद्ध क्षेत्र प्रस्तुत करता है, जो उन तरीकों की अंतर्दृष्टि प्रदान करता है जिनसे डिजिटल प्रौद्योगिकियां सांस्कृतिक उत्पादन, उपभोग और प्रतिनिधित्व के पैटर्न को प्रभावित करती हैं। जबकि पिछले शोध ने समाज और संस्कृति पर सोशल मीडिया के प्रभाव के विभिन्न पहलुओं का पता लगाया है, ऐसे सूक्ष्म विश्लेषणों की आवश्यकता बनी हुई है जो डिजिटल मीडिया की वैश्वीकरण शक्तियों और उन स्थानीय संदर्भों पर विचार करते हैं जिनमें वे स्थित हैं।

यह शोध पत्र सोशल मीडिया के उपयोग और सांस्कृतिक गतिशीलता के बीच जटिल संबंधों की जांच करके इस अंतर को संबोधित करना चाहता है, जिसमें यह समझने पर ध्यान केंद्रित किया गया है कि व्यक्ति और समुदाय डिजिटल प्लेटफार्मों पर वैश्विक और स्थानीयकृत सांस्कृतिक प्रभावों के बीच कैसे नेविगेट करते हैं। विशेष रूप से, हमारा लक्ष्य निम्नलिखित प्रमुख प्रश्नों की जांच करना है:

- सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म वैश्विक सांस्कृतिक रुझानों के प्रसार और अपनाने में कैसे योगदान करते हैं?
- ऑनलाइन सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व को आकार देने और उसका मुकाबला करने में सोशल मीडिया उपयोगकर्ता क्या भूमिका निभाते हैं?
- सांस्कृतिक मानदंड, मूल्य और पहचान डिजिटल दायरे में कैसे प्रकट और विकसित होते हैं?
- सांस्कृतिक विविधता, वैश्वीकरण और पहचान निर्माण जैसी अवधारणाओं के लिए सोशल मीडिया की मध्यस्थता वाली सांस्कृतिक बातचीत के निहितार्थ क्या हैं?

इन सवालों का जवाब देने के लिए, हमारा अध्ययन एक मिश्रित-तरीके दृष्टिकोण को नियोजित करता है, जिसमें साक्षात्कार और प्रतिभागियों के अवलोकन से ली गई गुणात्मक अंतर्दृष्टि के साथ सोशल मीडिया डेटा के मात्रात्मक विश्लेषण का संयोजन होता है। डेटा के कई स्रोतों को त्रिकोणित करके, हम सोशल मीडिया और सांस्कृतिक रुझानों के अंतर्संबंध में चल रही जटिल गतिशीलता की व्यापक समझ प्रदान करना चाहते हैं।

इस शोध के माध्यम से, हमारा लक्ष्य डिजिटल मीडिया, वैश्वीकरण और सांस्कृतिक अध्ययन पर सैद्धांतिक बहस में योगदान देना है, साथ ही ऑनलाइन संचार और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के लगातार बदलते परिदृश्य को समझने वाले व्यक्तियों, संगठनों और नीति निर्माताओं के लिए व्यावहारिक अंतर्दृष्टि भी प्रदान करना है।

आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सांस्कृतिक आदान-प्रदान के अभिन्न सूत्रधार बन गए हैं, जो अभूतपूर्व गति से वैश्विक सांस्कृतिक रुझानों के प्रसार और अपनाने को सक्षम बनाते हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, टिकटॉक और अन्य जैसे प्लेटफार्मों के उदय के साथ, विविध पृष्ठभूमि के व्यक्ति दुनिया भर की सांस्कृतिक प्रथाओं और अभिव्यक्तियों को आसानी से साझा कर सकते हैं, उपभोग कर सकते हैं और उनमें भाग ले सकते हैं। यह परिचय उन तंत्रों पर प्रकाश डालता है जिनके माध्यम से सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म वैश्विक सांस्कृतिक रुझानों के प्रसार और अपनाने में योगदान करते हैं, सांस्कृतिक प्रसारण और स्वागत की गतिशीलता पर इन डिजिटल स्थानों के परिवर्तनकारी प्रभाव की जांच करते हैं।

ISSN: 2395-7639

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering, Technology & Management (IJMRSETM)

|A Monthly, Peer Reviewed Online Journal| Impact Factor: 7.580 |

Visit: www.ijmrsetm.com

Volume 3, Issue 7, July 2016

कनेक्टिविटी और पहुंच:

सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म भौगोलिक सीमाओं को पार करते हैं, जिससे उपयोगकर्ताओं को दुनिया भर के व्यक्तियों और समुदायों से जुड़ने की अनुमति मिलती है। इन प्लेटफार्मों की पहुंच संगीत, फैशन, कला, व्यंजन और भाषा सहित सांस्कृतिक सामग्री के तेजी से प्रसार को सक्षम बनाती है। एक बटन के क्लिक के माध्यम से, उपयोगकर्ता विविध सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्यों का पता लगा सकते हैं और उनसे जुड़ सकते हैं, अपने आस-पास के परिवेश से परे समान विचारधारा वाले व्यक्तियों और समुदायों के साथ संबंध बना सकते हैं।

पौरुषता और प्रवर्धन:

सोशल मीडिया पर सामग्री की लोकप्रियता सांस्कृतिक रुझानों की पहुंच और प्रभाव को बढ़ाती है। एक पोस्ट, वीडियो या मीम में वायरल होने की क्षमता होती है, जो तेजी से सभी प्लेटफार्मों पर फैल जाती है और कम समय में लाखों उपयोगकर्ताओं तक पहुंच जाती है। सोशल मीडिया सामग्री की यह वायरल प्रकृति सांस्कृतिक रुझानों के प्रसार को तेज करती है, विशिष्ट घटनाओं को वैश्विक संवेदनाओं में बदल देती है और बड़े पैमाने पर सामूहिक स्वाद और प्राथमिकताओं को आकार देती है।

उ**पयोगकर्ता-जनित सामग्री और भागीदारी:**

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं को सांस्कृतिक सामग्री के उत्पादन और प्रसार में सक्रिय भागीदार बनने के लिए सशक्त बनाते हैं। उपयोगकर्ता-जनित सामग्री के माध्यम से, व्यक्ति सांस्कृतिक परिदृश्य में अपने अद्वितीय दृष्टिकोण, अनुभव और रचनात्मक अभिव्यक्ति का योगदान करते हैं, जिससे वैश्विक सांस्कृतिक प्रवचन की विविधता समृद्ध होती है। चाहे व्यक्तिगत कहानियों को साझा करने, कला बनाने या वायरल चुनौतियों में भाग लेने के माध्यम से, उपयोगकर्ता सांस्कृतिक रुझानों की कहानियों और प्रक्षेपवक्र को आकार देने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं।

एल्गोरिथम अनुशंसा और वैयक्तिकरण:

सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म का एल्गोरिथम आर्किटेक्चर सांस्कृतिक सामग्री के प्रति उपयोगकर्ताओं के प्रदर्शन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उपयोगकर्ता की प्राथमिकताओं, इंटरैक्शन और व्यवहार का विश्लेषण करके, एल्गोरिदम वैयक्तिकृत फ़ीड को क्यूरेट करते हैं जो व्यक्तिगत रुचियों और प्राथमिकताओं के लिए सामग्री अनुशंसाओं को तैयार करते हैं। यह वैयक्तिकृत दृष्टिकोण सांस्कृतिक रुझानों के साथ उपयोगकर्ताओं के जुड़ाव को बढ़ाता है, उन्हें ऐसी सामग्री से परिचित कराता है जो उनके स्वाद के अनुरूप होती है और साथ ही नई सांस्कृतिक घटनाओं की आकस्मिक खोज को बढ़ावा देती है।

सांस्कृतिक संकरण और संश्लेषण:

सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म सांस्कृतिक आदान-प्रदान के गतिशील स्थान के रूप में कार्य करते हैं, विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों के बीच बातचीत और सहयोग को बढ़ावा देते हैं। इन डिजिटल वातावरणों में, सांस्कृतिक प्रभाव एकत्रित होते हैं, जिससे संकरण और संश्लेषण की प्रक्रियाएँ शुरू होती हैं जहाँ वैश्विक और स्थानीय सांस्कृतिक तत्व आपस में जुड़ते हैं और विकसित होते हैं। अंतर-सांस्कृतिक मुठभेड़ों और आदान-प्रदान के माध्यम से, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म नवीन सांस्कृतिक रूपों और अभिव्यक्तियों को जन्म देते हैं जो समकालीन सांस्कृतिक गतिशीलता की तरलता और अंतर्संबंध को दर्शाते हैं।

इन तंत्रों के प्रकाश में, यह स्पष्ट है कि सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म वैश्विक सांस्कृतिक रुझानों के प्रसार और अपनाने, सांस्कृतिक उत्पादन, उपभोग और डिजिटल युग में भागीदारी के परिदृश्य को नया आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे-जैसे हम इस घटना की जटिलताओं में गहराई से उतरते हैं, तेजी से परस्पर जुड़ी दुनिया में पहचान निर्माण, सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक-

ISSN: 2395-7639

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering, Technology & Management (IJMRSETM)

|A Monthly, Peer Reviewed Online Journal| Impact Factor: 7.580 |

Visit: www.ijmrsetm.com

Volume 3, Issue 7, July 2016

सांस्कृतिक गतिशीलता के लिए सोशल मीडिया-मध्यस्थ सांस्कृतिक वैश्वीकरण के निहितार्थ की गंभीर रूप से जांच करना अनिवार्य हो जाता है।

सोशल मीडिया उपयोगकर्ता ऑनलाइन सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व को आकार देने और प्रतिस्पर्धा करने, सामग्री के साथ अपने जुड़ाव के माध्यम से प्रभाव डालने, नई सांस्कृतिक कलाकृतियों के निर्माण और ऑनलाइन प्रवचन में भागीदारी में बहुआयामी भूमिका निभाते हैं। यहां कई प्रमुख तरीके दिए गए हैं जिनसे सोशल मीडिया उपयोगकर्ता ऑनलाइन सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व को आकार देने और प्रतिस्पर्धा करने में योगदान करते हैं:

सामग्री निर्माण और क्यूरेशन:

सोशल मीडिया उपयोगकर्ता सक्रिय रूप से ऐसी सामग्री बनाते और संकलित करते हैं जो उनकी सांस्कृतिक पहचान, मूल्यों और रुचियों को दर्शाती है। चाहे व्यक्तिगत कहानियाँ साझा करने, फ़ोटो और वीडियो अपलोड करने या ऑनलाइन चर्चाओं में योगदान देने के माध्यम से, उपयोगकर्ता सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर मौजूद सांस्कृतिक आख्यानों और अभ्यावेदन को आकार देते हैं। यह सामग्री निर्माण प्रक्रिया व्यक्तियों को अपने दृष्टिकोण प्रदर्शित करने और प्रमुख सांस्कृतिक मानदंडों और रूढ़ियों को चुनौती देने की अनुमति देती है।

सांस्कृतिक वार्तालाप में भागीदारी:

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सांस्कृतिक बातचीत और बहस के लिए डिजिटल स्थान के रूप में काम करते हैं, जहां उपयोगकर्ता विभिन्न सांस्कृतिक विषयों, घटनाओं और मुद्दों पर चर्चा में संलग्न होते हैं। पोस्ट पर टिप्पणी करने, साझा करने और प्रतिक्रिया देने के माध्यम से, उपयोगकर्ता अपने दृष्टिकोण, आलोचना और व्याख्याओं में योगदान करते हैं, सांस्कृतिक घटनाओं की सामूहिक समझ को आकार देते हैं और सार्वजनिक चर्चा को प्रभावित करते हैं।

हाशिए की आवाज़ों का प्रवर्धन:

सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म हाशिए पर रहने वाले समुदायों और व्यक्तियों को अपनी आवाज़ उठाने और मुख्यधारा के सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व को चुनौती देने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। कम प्रतिनिधित्व वाली पृष्ठभूमि के उपयोगकर्ता सामाजिक अन्याय, भेदभाव और सांस्कृतिक उन्मूलन के मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए अपने अनुभवों, दृष्टिकोणों और संघर्षों को साझा करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। सामूहिक लामबंदी और वकालत के माध्यम से, ये उपयोगकर्ता प्रमुख सांस्कृतिक आख्यानों का विरोध करते हैं और सामाजिक परिवर्तन की वकालत करते हैं।

सांस्कृतिक विनियोग और आलोचना:

सोशल मीडिया उपयोगकर्ता ऑनलाइन सांस्कृतिक विनियोग और ग़लतबयानी के उदाहरणों की पहचान करने और उनकी आलोचना करने में भूमिका निभाते हैं। जब सांस्कृतिक तत्वों को उचित स्वीकृति या उनके सांस्कृतिक महत्व के सम्मान के बिना विनियोजित या संशोधित किया जाता है, तो उपयोगकर्ता इन उदाहरणों पर ध्यान आकर्षित कर सकते हैं और सांस्कृतिक संवेदनशीलता और नैतिक प्रथाओं की वकालत कर सकते हैं। सांस्कृतिक विनियोग को चुनौती देकर, उपयोगकर्ता सांस्कृतिक विविधता और सम्मान के बारे में अधिक जागरूकता और समझ को बढ़ावा देने में योगदान करते हैं।

उपसांस्कृतिक समुदायों का गठन:

सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म साझा हितों, पहचान और सांस्कृतिक संबद्धता के आधार पर उपसांस्कृतिक समुदायों के गठन की सुविधा प्रदान करते हैं। ये समुदाय उपयोगकर्ताओं को उनकी सांस्कृतिक पहचान के संदर्भ में जुड़ने, सहयोग करने और खुद को अभिव्यक्त करने के लिए स्थान प्रदान करते हैं। विशिष्ट समुदायों के निर्माण के माध्यम से, उपयोगकर्ता ऑनलाइन सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व में विविधता लाने और वैकल्पिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के लिए स्थानों को बढ़ावा देने में योगदान करते हैं।

ISSN: 2395-7639

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering, Technology & Management (IJMRSETM)

|A Monthly, Peer Reviewed Online Journal| Impact Factor: 7.580 |

Visit: www.ijmrsetm.com

Volume 3, Issue 7, July 2016

प्रति-आख्यान और प्रतिरोध:

निष्कर्षतः, डिजिटल क्षेत्र एक गतिशील और परिवर्तनकारी स्थान बन गया है जहाँ सांस्कृतिक मानदंड, मूल्य और पहचान जटिल तरीकों से प्रकट और विकसित होते हैं। डिजिटल संचार, ऑनलाइन समुदायों, सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से, व्यक्ति विविध और अभूतपूर्व तरीकों से अपनी सांस्कृतिक पहचान से जुड़ते हैं और व्यक्त करते हैं। डिजिटल दायरे के भीतर सांस्कृतिक गतिशीलता का विकास कई कारकों से आकार लेता है, जिसमें तकनीकी प्रगति, ऑनलाइन इंटरैक्शन, वैश्विक कनेक्टिविटी और सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ शामिल हैं।

जैसे-जैसे व्यक्ति डिजिटल परिदृश्य को नेविगेट करते हैं, वे सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व के निर्माण, प्रसार और प्रतियोगिता में भाग लेते हैं, डिजिटल संस्कृतियों के निर्माण में योगदान करते हैं जो मानव अनुभव की विविधता और जटिलता को दर्शाते हैं। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म सांस्कृतिक आदान-प्रदान, सहयोग और अभिव्यक्ति के लिए क्षेत्र के रूप में कार्य करते हैं, जो व्यक्तियों को दूसरों के साथ जुड़ने, उनकी पहचान का पता लगाने और दुनिया भर की सांस्कृतिक प्रथाओं से जुड़ने में सक्षम बनाते हैं।

हालाँकि, डिजिटल क्षेत्र सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व, प्रामाणिकता और शक्ति गतिशीलता से संबंधित चुनौतियाँ और तनाव भी प्रस्तुत करता है। सांस्कृतिक विनियोग, डिजिटल विभाजन और एल्गोरिथम पूर्वाग्रह जैसे मुद्दे डिजिटल स्थानों के भीतर महत्वपूर्ण प्रतिबिंब और नैतिक जुड़ाव की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं। जैसे-जैसे हम डिजिटल युग में आगे बढ़ रहे हैं, समावेशिता को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक विविधता का सम्मान करना और सार्थक संवाद को बढ़ावा देना आवश्यक है जो सांस्कृतिक पहचान और ऑनलाइन प्रतिनिधित्व की जटिलताओं को स्वीकार करता है।

संक्षेप में, डिजिटल क्षेत्र सांस्कृतिक मानदंडों, मूल्यों और पहचानों की अभिव्यक्ति और विकास के लिए अवसर और चुनौतियाँ दोनों प्रस्तुत करता है। डिजिटल संस्कृतियों के भीतर चल रही गतिशीलता की आलोचनात्मक जांच करके और प्रतिनिधित्व, विविधता और समावेशन के बारे में बातचीत में सक्रिय रूप से शामिल होकर, हम डिजिटल स्थान बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं जो मानव संस्कृति की समृद्धि और जटिलता को उसके सभी रूपों में मनाएगा।

संदर्भ

बॉयड, डी., और एलिसन, एन.बी. (2007)। सोशल नेटवर्क साइटें: परिभाषा, इतिहास और छात्रवृत्ति। जर्नल ऑफ़ कंप्यूटर-मीडिएटेड कम्युनिकेशन, 13(1), 210-230।
कैस्टेल्स, एम. (2009)। संचार शक्ति. ऑक्सफोर्ड यूनिवरसिटि प्रेस।
वैन डिज्क, जे. (2013)। कनेक्टिविटी की संस्कृति: सोशल मीडिया का एक महत्वपूर्ण इतिहास। ऑक्सफोर्ड यूनिवरसिटि प्रेस।
बॉयड, डी. (2014)। यह जटिल है: नेटवर्क वाले किशोरों का सामाजिक जीवन। येल यूनिवर्सिटी प्रेस।
एलिसन, एन.बी., स्टीनफील्ड, सी., और लैम्पे, सी. (2007)। फेसबुक "मित्रों" के लाभ: सामाजिक पूंजी और कॉलेज के छात्रों द्वारा ऑनलाइन सोशल नेटवर्क साइटों का उपयोग। जर्नल ऑफ़ कंप्यूटर-मीडिएटेड कम्युनिकेशन, 12(4), 1143-1168।
जेनकिंस, एच., फोर्ड, एस., और ग्रीन, जे. (2013)। प्रसार योग्य मीडिया: नेटवर्क संस्कृति में मूल्य और अर्थ का निर्माण। एनवाईयू प्रेस.
मारविक, ए.ई., और बॉयड, डी. (2011). मैं ईमानदारी से ट्वीट करता हूं, मैं जोश से ट्वीट करता हूं: ट्विटर उपयोगकर्ता, संदर्भ पतन, और कल्पित दर्शक। न्यू मीडिया एवं सोसायटी, 13(1), 114-133।
रेनगोल्ड, एच. (2014)। नेट स्मार्ट: ऑनलाइन कैसे आगे बढ़ें। एमआईटी प्रेस.
सेन्फ़्ट, टी.एम. (2008)। कैमगर्ल्स: सामाजिक नेटवर्क के युग में सेलिब्रिटी और समुदाय। पीटर लैंग प्रकाशन।
तुर्कले, एस. (2011)। अकेले एक साथ: हम प्रौद्योगिकी से अधिक और एक-दूसरे से कम अपेक्षा क्यों करते हैं। बुनियादी पुस्तकें.